

हिन्दी पखवाड़ा - 2021 - उद्घाटन

संस्थान में दिनांक 14 सितम्बर 2021 को प्रातः 11.30 बजे हिन्दी पखवाड़ा - 2021 का उद्घाटन ऑनलाइन किया गया। उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू महोदय ने किया।

कार्यक्रम के आरंभ में श्री प्रताप कुमार दास, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी दिवस के अवसर पर सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए हिन्दी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसी के साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील किया कि संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा दें तथा अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी में ही करें। इससे सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग भी बढ़ेगा एवं राजभाषा विभाग द्वारा दिया गए लक्ष्यों की प्राप्ति भी होगी। यह तभी संभव है जब हम मिलकर हिन्दी कार्य को आगे बढ़ाएंगे। संस्थान में हिन्दी प्रगति की चर्चा करते हुए हिन्दी पखवाड़ा की रूपरेखा प्रस्तुत किया तथा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाले प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

संस्थान के संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू ने सर्वप्रथम राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा प्रतिज्ञा का वाचन करते हुए समस्त कर्मचारियों को राजभाषा के प्रति उत्तरदायित्व निभाते हेतु शपथ दिलाया तत्पश्चात अपने विशेष उद्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण देते हुए हिन्दी भाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला। आपने बताया कि भाषा इतिहास एवं संस्कृति का समन्वय है। अगर हम अपनी भाषायी रूपी संस्कृति की रक्षा नहीं कर पाएंगे तो यह भी पाली, प्राकृत भाषा की तरह मृत और लुप्त हो सकते हैं। इसलिए हमें अपनी राष्ट्रीय भाषा, मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए तथा अपने हृदयस्थली में विराजमान रखकर इसका प्रचार-प्रसार करना चाहिए। आपने अपने उद्बोधन में राजभाषा नीतियों, पुरस्कारों तथा प्रशिक्षण से जुड़े उपकरणों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। हिन्दी को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा विभाग द्वारा जारी 12 "प्र" शब्द की शब्दशः व्याख्या की। राजभाषा विभाग प्रतिवर्ष हिन्दी में मौलिक लेखन पुस्तक पर राजभाषा गौरव पुरस्कार, राजभाषा कीर्ति पुरस्कार एवं अन्य पुरस्कार योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। आपने कहा कि हिन्दी टिप्पणी लेखन हेतु "कंठस्थ", लीला मोबाइल ऐप, मंत्रा मशीन अनुवाद आदि से हमें परिचित होना चाहिए तथा इन साइटों पर स्वयं को पंजीकरण कराना चाहिए। आपने सभा को यह भी जानकारी दी कि वैश्विक स्तर पर हिन्दी कई देशों में बोली जाती है जैसे फिजी, गुयाना, मॉरीशस, त्रिनिदाद, टोबैको इत्यादि। यू. एन. ओ. ने भी अब हिन्दी में साप्ताहिक मैगजीन प्रारंभ किया है।

विश्व में हिन्दी की महत्ता को स्वीकारते हुए प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी, को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है। आपने संस्थान तथा इसके उपकेन्द्रों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की। हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होनेवाले कार्यक्रमों में कर्मचारियों से उत्साहपूर्वक भाग लेने की बात कहते हुए अपने वक्तव्य को विराम दिया।

तत्पश्चात श्रीमती रेखा नायर, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही उद्घाटन सत्र का समापन किया गया। उद्घाटन सत्र के पश्चात संस्थान के तीन वैज्ञानिकों ने हिन्दी में व्याख्यान प्रस्तुत किए जिनमें नाम एवं विषय शीर्षक इस प्रकार है -

डा. शेखर नाथ ओझा, विभागाध्यक्ष - विषय "प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMSSY)" आपने इस विषय पर विस्तारपूर्वक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डा. अपर्णा चौधरी, विभागाध्यक्ष - विषय "रोंगो से बचाव हेतु टीकों का विकास" - विज्ञान की इस जटिल विषय को आपने सहज एवं सरल हिन्दी में विस्तारपूर्वक समझाया। जिसकी सभी श्रोताओं ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

डा. मो. अकलाकुर, वैज्ञानिक, मोतीपुर (बिहार) उपकेन्द्र के प्रभारी अधिकारी ने "मछली पालन का भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्व" विषय पर सारगर्भित हिन्दी में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्री देवेन्द्र धरम, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने सफलतापूर्वक किया।

पुनश्च हिन्दी अनुभाग द्वारा समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

